बाप जैसा लव कोई देहधारी गुरु भी दे न सके

शुरुड बद्धि वाले सुनाने का और पढ़ाई का शौंक रखते

उनकी बुद्धि मित्र -संबंधियों में नही भटकती

जो बच्चे-तवाई होते वो न ज्ञान को समझ सके

उनकी बुद्धि भटकती इधर-उधर

बाप को भी याद न कर सके

पुरानी दुनिया से बेहद का सन्यास करना

पुरानी दुनियाँ से नयी दुनियाँ में जम्प करना

पढ़ाई पर पूरा अटेंशन देना

उसे फिर धारण भी करना

आँख बंद करके बैठना - यह कायदा नही

सहन करना या मरना है धारणा की सब्जेक्ट

इसमें अच्छे नम्बर लेना

सहन करो मोहब्बत से मज़बूरी से नहीं

यह आज्ञा है बाप की ,तो स्वयं

को परिवर्तन कर मार्क्स लो

जो खाते ख़ुशी की ख़ुराक

वो सदा तंदरुस्त रहते

मेरा बाबा

ॐ शांति!!!